माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी 2009

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 0 0 1 परीक्षा का विषय हिन्दी
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 12-03-200
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2001	A

केन्द्र क्रमांक की सील

251024

4058245

अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	5	1	7	8	1	6

प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

दो	पाँच	एक	सात	आठ	एक	छः

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में एक अंकों में 01

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 07 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

नाम कु. नर्मदा तेलवाय पद सहा. शिक्षिका

पता / संस्था H.S. कन्या मोड़ियादो

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर ...
यथा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन ...
पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक ए...

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 96/1046 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिला कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

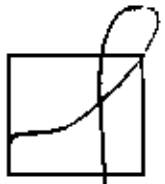

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न (1.) का उत्तर :-

रिक्त स्थान

(i) अक्रूर

(ii.) केशवदास

(iii.) मीरा का

(iv.) सन् 1936

(v.) दुष्यन्त कुमार

प्रश्न (2.) का उत्तर :-

सही विकल्प

(i.) उषा प्रियंवदा

(ii.) कायरता

(iii.) कबीर

(iv.) छायावाद

B S E M P

05

पृष्ठ के अंकों का योग

4

(v.) प्रगतिवादी

प्रश्न (3.) का उत्तर :-

(i.) असत्य

(ii.) सत्य

(iii.) असत्य

(iv.) सत्य

(v.) सत्य

प्रश्न (4.) का उत्तर :-

(i) काव्य में सर्वाधिक छंदों का प्रयोग किया है → घनानंद

(ii.) काव्य में भाव विह्वलता कूट कूट कर भरी है - मीरा

(iii.) राष्ट्रीय चेतना जाग्रत करने वाले कवि है - गोपाल सिंह नेपाली

(iv.) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि है → केशव ने

(v.) 'उद्धव प्रसंग' नामक कविता के रचयिता है → जगन्नाथदास रत्नाकर

प्रश्न (ङ.) का उत्तर

(i.) सूरदास

(ii.) सरल वाक्य

वैद्य

तात्या टोपे को

) शाक

प्रश्न (6.) का उत्तर :-

कबीर ने शब्द की बड़ी महिमा बताई बतायी है। कबीर दास जी कहते है कि शब्दों को बड़ी सावधानीपूर्वक मुँह से निकालना चाहिए। यद्यपि शब्द के हाथ-पैर

यां

नहीं होते है फिर भी वह सभी से अपने अनुसार कार्य करवा लेता है। यदि शब्द मधुरता पूर्वक बोले जाते है तो वह औषधी का कार्य करता है और मनुष्य को संसार में सम्मान दिलाता है, और किंतु यदि शब्द कठोरता पूर्वक बोले जाते है तो वह घाव का कार्य कर जाता है। और, इससे व्यक्ति का समाज मे स्थान घट जाता है। अतः शब्द को सोच विचार करके एवं मधुरता पूर्वक बोलना चाहिए।

प्रश्न (7) का उत्तर :-

विभावरी का अर्थ रात्रि बीत जाने से है। विभावरी के बीत जाने से ऊषा नागरी रूपी स्त्री अम्बर रूपी 'पनघट' में तारे रूपी 'घट' को डुबो रही है।

रात्रि में सभी शांत हो जाते है। सुबह या प्रातः होने पर एक नयी जागृती आ जाती है। सभी अपने अपने कार्यों में व्यस्त होते है। अतः प्रसाद जी ने कहा है विभावरी के बीतने पर 'उषा नागरी' अपना घट डुबो रही है।

प्रश्न (8) का उत्तर :-

'प्रगतिवादी काव्यधारा' :-

प्रगतिवाद का आरंभ सन् 1936 में हुआ था, और इसका समय सन् 1953 तक रहा।

प्रगति का सामान्य अर्थ है 'आगे बढ़ना' अर्थात यह वह वाद है जो आगे बढ़ने में विश्वास रखता है।

परिभाषा :-

"राजनीति के क्षेत्र में जो साम्यवाद है वही काव्य के क्षेत्र में प्रगतिवाद है।"

प्रगतिवादी कवियों के नाम एवं उनकी रचनाएँ निम्न हैं :-

नाम	रचना
(1) नागार्जुन	युगधारा 'युगधारा'
(2) शिव मंगल सिंह 'सुमन'	'विश्वास बढ़ता ही गया', 'हिल्लोल'
(3) केदारनाथ 'अग्रवाल'	'युग की गंगा'

BSEMP

प्रश्न (9.) का उत्तर :-

हिन्दी में 'नाटक सम्राट' 'जयशंकर प्रसाद' को कहा गया है। ~~उन्होंने~~ विशिष्ट नाटक लिखे है। नाटक के माध्यम से उन्होंने हिन्दी साहित्य में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है।

जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक निम्न है :-

(1.) 'स्कन्दगुप्त' (2) चन्द्रगुप्त'
(3.) 'ध्रुवस्वामिनी'

M
P

प्रश्न (10) का उत्तर →

हिमालय की छाँह में रहकर भी यशोधरा का ताप पिघलता नहीं है। क्योंकि पति वियोग सबसे बड़ा ताप होता है और उसे हिमालय की ~~शीतल~~। शीतलता भी नहीं कम कर सकी है। एक क्षण के लिए ऐसा लगता है कि ताप कम हो गया है लेकिन ऐसा होता नहीं है। गौतम संसार को दुःख की पीड़ा से मुक्त करने के लिए बिना बताये जंगलों, पहाड़ों में चले गये, इससे यशोधरा को बहुत कष्ट पहुँचा, अतः वह पति वियोग में निरंतर

पृष्ठ के अंकों का योग

जलती रही है उनकी वियोग रूपी अग्नि को कोई नहीं कम कर पा रहा है। अतः डॉ. रघुवीर सिंह ने कहा है कि हिमालय की छाँह में रहकर भी यशोधरा का ताप कम नहीं हुआ।

प्रश्न (1) का उत्तर :-

उत्तराखण्ड के चार धाम तीर्थ है - 'यमुनोत्री', 'गंगोत्री', 'केदारनाथ' एवं 'बद्रीनाथ' है। ये चारों धाम तीर्थ स्थल नदियों के किनारे पर बसे है -

यमुनोत्री - यमुना नदी के किनारे - किनारे
गंगोत्री - गंगा नदी के किनारे - किनारे
केदारनाथ - मंदाकिनी नदी के किनारे - किनारे
बद्रीनाथ - अलकनंदा नदी के किनारे - किनारे बसे है।

यद्यपि उत्तराखण्ड की यात्रा बहुत ही कष्टप्रद है एवं दुर्गम है, परंतु वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य, नदियों की कल-कल ध्वनि, फलों से लदे हुये वृक्ष, ऊँचाई से गिरते जलप्रपात, पक्षियों की आवाज आदि दृश्य उत्तराखण्ड की यात्रा को रमणीय एवं सरल बना देते है।

प्रश्न (१२.) का उत्तर →

अथवा

छप्पय छंद :-

छप्पय छंद एक मात्रिक छंद है। इसमें छः चरण होते हैं। प्रथम चार चरण 'रोला' के होते हैं और अंतिम दो चरण 'उल्लाला' के होते हैं।

रोला छंद के प्रथम चार चरण में 11-13 की यति पर 24 मात्राऐं होती हैं।

उल्लाला छंद के अंतिम दो चरण में 15-13 की यति पर 28 मात्राऐं होती हैं।

उदाहरण :-

"नीलाम्बर परिधान, हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है।
नदियाँ प्रेमप्रवाह, फूल तारे मण्डप है,
बन्दीजन खग वृन्द, शेष फन सिंहासन है।
करते अभिषेक पयोद है, बलिहारी इस देश की,
हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।।"

BSEMP

प्रश्न (ङ) का उत्तर :-

अथवा

(क) जो व्यक्ति अच्छे विद्यार्थी होते है वह परिश्रमी होते हैं।

(ख) वह दरिद्र है किंतु ईमानदार है।

भाव पल्लवन

"धर्म - - - - द्योतक है।"

यद्यपि भारत एक विभिन्नतापूर्ण देश है। यहाँ विभिन्न धर्म है हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, सिख्ख, जैन, पारसी आदि। लेकिन सभी धर्मों के लोग धार्मिक आधार पर लड़ते-झगड़ते नहीं है। धर्म की यही भावना लोगों को एक दूसरे को सहयोग करना सिखाती है। धार्मिक कट्टरता की भावना समाज में हिंसा की भावना पैदा करती है परंतु धार्मिक भावना नहीं। धर्म तो एकता का मंत्र है वह लोगों को एक दूसरे से अलग नहीं रखती वरन् उन्हें धार्मिक समन्वय की प्रेरणा देती है। अतः "धर्म पार्थक्य का नहीं एकता का द्योतक है।"

S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न (15.) का उत्तर →

शरद जोशी

(क) दो रचनाएँ :-

(1) व्यंग्य - 'जीप पर सवार इल्लियाँ'

(2.) 'अंधों का हाथी'

(3.) 'श्याम तेरे कितने नाम'

(ख) भाषा →

शरद जोशी की भाषा सरस, सरल एवं परिष्कृत है। उन्होंने कहावतों एवं मुहावरों का प्रयोग किया है। संस्कृतनिष्ठ तत्सम शब्दों का प्रयोग भी उन्होंने अपनी रचनाओं में किया है।

(ग.) शैली :-

शरद जोशी व्यंग्यकार है अतः इन्होंने व्यंग्यात्मक शैली का सहारा लिया है। हास्य विनोद एवं व्यंग्यात्मक शैली के द्वारा इन्होंने अपनी रचना को गति प्रदान की। साथ ही इन्होंने सरल, सरस शैली को अपनाया है।

साहित्य में स्थान →

शरद जोशी एक व्यंग्यकार निबंधकार, साहित्यकार है। हिन्दी साहित्य में

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

उनका स्थान सर्वोच्च है। अपने प्रसिद्ध व्यंग्यों के द्वारा इन्होंने हिन्दी साहित्य में अमिट छाप छोड़ी है।

प्रश्न (15) का उत्तर →

कबीरदास

(क) दो रचनाएँ :-

(1.) साखी

(2.) सबद

(3.) रमैनी

(4.) बीजक

(ख) भावपक्ष :-

(1.) निर्गुण काव्यधारा →

कबीर जी निर्गुण काव्यधारा के कवि है। उन्होंने अनाम, अरूप, आदि सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग किया। 'राम' को इन्होंने निर्गुण माना है।

(2.) प्रेम भावना →

कबीर दास जी ने लोगों के मन में प्रेम भावना जागृत करने का प्रयास किया है।

BSEMP

(5.) सामाजिक विडम्बनाओं का विरोध →

कबीर जी ने ऐसी रचना लिखी जिससे लोग समाज में फैली हुई कुछ कुरीतियों को समझ सके। उन्होंने लोगों में चेतना जाग्रत करके सामाजिक कुरीतियों को दूर किया।

कलापक्ष :-

(i) भाषा →

कबीरदास की भाषा अकृत्रिम है। उन्होंने इनकी भाषा में कृत्रिमता का समावेश नहीं है। भाषा सरस, सरल है। इनकी भाषा खिचड़ी एवं सधुक्कड़ी है।

(ii) शैली →

कबीरदास जी ने आवश्यकता के अनुसार विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया है। शैली सरस, सरल है। शैली में गेयता है।

(iii) छंद →

कबीरदास ने दोहा, सवैया आदि छंदों का प्रयोग किया है। साखी में इन्होंने दोहा छंद का प्रयोग

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

किया है।

(V.) अलंकार →

इन्होंने रूपक, उक्ते उत्प्रेक्षा आदि अलंकार का प्रयोग किया है।

(VI) साहित्य में स्थान →

कबीरदासजी का साहित्य मे विशिष्ट स्थान है। सामाजिक कुरूतियों पर प्रहार करने वाले कवि है। समाज में जागृति लाने और लोगों में प्रेरणा देने वाले कवि कबीरदास जी का हिन्दी साहित्य में साहित्य स्थान है।

B

M

P

प्रश्न (16.) का उत्तर →

(I.) राधा — — — — — छा जाती है।

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के 'रंगोली' से अवतरित है। इसके लेखक श्री 'डॉ. शिव प्रसाद सिंह' जी है।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रसंग →

प्रस्तुत गद्यांश में हरित द्युति के बारे में बताया गया है। रंग संचालन एवं रंग मिश्रण का

अर्थ बताया गया है। तोता रंग संधान एवं कृष्ण राधा को रंग मिश्रण की उपमा दी है।

व्याख्या :-

लेखक कहता है कि कृष्ण और राधा के मिलने से हरित द्युति हो जाती है। पीले रंग की राधा, काले रंग के कृष्ण से मिलती है तो कृष्ण, राधा हरे रंग के दिखाई देते है। साधारणतया काला और पीला रंग मिलने से नीला रंग बनता है परंतु कृष्ण राधा के साथ ऐसा नहीं होता है। शरद ऋतु में हरे रंग का तोता, लाल चोंच में धान की पीली बालियाँ लेकर उड़ता है तो वहाँ ~~इन्द्र~~ इन्द्रधनुष बनता है। क्योंकि शरद ऋतु - श्वेत है, चोंच - लाल है, तोता - हरा है और आकाश - नीला बालियाँ - पीली है। इसप्रकार इन्द्रधनुष बनाते है। यह रंग संधान का उदा० है।

इसीप्रकार बिहारी कवि कहते है कि काले रंग के कृष्ण होठों पर रखकर बाँसुरी बजाते है तो इन्द्रधनुष का निर्माण होता है। क्योंकि कृष्ण काले है, बाँसुरी हरी, होठ - लाल है, दृष्टि - श्वेत है और कपड़े - पीले है। इसप्रकार यह रंग मिश्रण का उदा० है जो इन्द्रधनुष

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

का रूप बनाता है।

विशेष :- (1.) रंग मिश्रण का अद्भुत चित्रण
(2.) भाषा सरल है
(3.) रूपक अलंकार है।

प्रश्न (बि.) का उत्तर →

(1.) कुर-कुर - - - - वस्सारी ॥

संदर्भ →
प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक मगल वर्षा' शीर्षक से अवतरित है। इसके रचयिता 'श्री भवानी प्रसाद मिश्र' जी है।

प्रसंग :-
प्रस्तुत पद्यांश में वर्षा बसन्त के आने से प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन किया गया है। जिसमें कजरी के गीतों का प्रधानता बतायी गयी है।

व्याख्या →
कवि मिश्र जी कहते है कि वर्षा की कुहरे बालों में मोती जैसी दिखायी दे रही है। वर्षा ऋतु के आने से किसान की पत्नी

पृष्ठ के अंकों का योग

कजरी के गीत गा रही है। झरने झर-झर बह रहे है यह देखकर मन अत्यंत प्रसन्नता महसूस कर रहा है। ऐसे शुभ अवसर पर सुहागिन का के साजन उसको स्पर्श कर रहा है। स्त्री सोच रही है कि जरूर यह कोई पूर्व जन्म के पुण्य का फल है जो इतना सुहावना दिन आया है। वर्षा रूपी पति ने प्रकृति रूपी स्त्री को स्पर्श किया है। अतः कवि कहता है कि वर्षा ऋतु आने पर प्यार के अंकुर फूटने लगे है। और हर चारों ओर प्रसन्नता का वातावरण छा गया है।

विशेष :-

(1.) रूपक अलंकार का प्रयोग
(2.) प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन
(3.) भाषा सरस एवं सरल है।
(4.) माधुर्य गुण है।

प्रश्न (8.) का उत्तर ->

(क.) 'सर्वोत्तम कविता' (शीर्षक)

(ख.) भावार्थ -> सर्वोत्कृष्ट सर्वोत्तम कविता की

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

की मुख्य पहचान यह होती है कि वह श्रोता एवं पाठक के हृदय को छूने वाली हो। कवि का यह काम होता है कि वह इस तरह कविता व्यक्त करे कि जो पाठक एवं श्रोता के मन को अत्यधिक प्रसन्नता दे एवं उसके हृदय को छू जाये। जो कवि अपनी कविता को इसी तरह व्यक्त करता है वह सम्मान का पात्र बन जाता है और उसकी कविता का सभी आदर करने लगते हैं। अतः कविता अच्छी एवं सटीक होनी चाहिए।

(ग) जो कवि अपनी कविता को इस पाठक या श्रोता के हृदय तक पहुँचा सकें उन्हीं कवियों की कविता का आदर होता है।

BSEMP

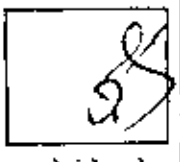

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रश्न (9.) का उत्तर →

अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने हेतु आवेदन पत्र

सेवा में,

सचिव

माध्यमिक शिक्षा मण्डल (भोपाल) (म.प्र.)

विषय → द्वितीय प्रति भेजने हेतु आवेदन पत्र

मान्यवर,

नम्र निवेदन है कि मैंने वर्ष 2006 में कक्षा 10वीं की हाईस्कूल माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। किन्तु अचानक मेरी अंक सूची गुम हो गयी है। आपसे निवेदन है कि आप मुझे अंक सूची की द्वितीय प्रति भेजने की कृपा करें।

मुझसे संबंधित जानकारियाँ :-

नाम — शीतां गौतम

पिता का नाम — राजेन्द्र गौतम

कक्षा परीक्षा वर्ष — 2006

परीक्षा केन्द्र — हाईस्कूल शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल ग्वालियर

रोल नं० — 1725203 78

पूरा पता - शीला गौतम, राजेन्द्र गौतम, 54 बड़ा बाजार, मोहल्ला ग्वालियर

संकलन - 50 रु० का बैंक ड्राफ्ट

धन्यवाद।

आपकी

शीला गौतम

ग्वालियर

प्रश्न (20) का उत्तर →

विज्ञान : वरदान या अभिशाप

रूप रेखा

(1.) प्रस्तावना
(2.) विज्ञान के आविष्कार
(3) विज्ञान से लाभ
(4.) विज्ञान से हानि
(5) उपसंहार

(1.) प्रस्तावना →

वर्तमान युग विज्ञान का युग है। मनुष्य शुरू से ही जिज्ञासु प्रवृत्ति वाला रहा है।

B S E M P

मध्यप्रदेश

उसमें किसी स्थान पर घटने वाले विशेष घटना को जानने की जिज्ञासा शुरू से ही रही है। मानव की इसी जिज्ञासा ने नये नये आविष्कारों को जन्म दिया है। यही मुख्य कारण है कि आज बदलते हुए युग में विज्ञान का बोलबाला है।

(ख) विज्ञान के आविष्कार →

विज्ञान ने नित्य नये आविष्कार किए है। आज का मानव आकाश की ऊंचाइयों को छू रहा है। पहाड़ों की बर्फीली चोटियाँ, चमकता हुआ सूरज, सुनहरे चन्द्रमा तक मानव की पहुँच बढ़ गयी है। मानव ने यातायात के विभिन्न साधन मोटर गाड़ियों का तीव्र विकास किया है। जिससे हजारों किलोमीटर की यात्रा कुछ ही मिनटों की जा सकती है। अतः मानव ने कृषि चिकित्सा, मनोरंजन आदि के क्षेत्र में विभिन्न नये आविष्कार किए है।

(ग) विज्ञान से लाभ →

मानव ने अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए विभिन्न नये नये आविष्कार किए हैं। जो मानव को विशेष लाभ पहुँचाते है। ये लाभ निम्न प्रकार से हैं :-

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग/पूर्व पृष्ठ

(i) यातायात के क्षेत्र में →

विज्ञान के बढ़ते हुए आविष्कार ने यातायात के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है। प्राचीन समय में चलने वाली बैलगाड़ि आदि के साधन द्वारा बहुत अधिक समय लगता है। परंतु वर्तमान में मोटर, कार, वायुयान स्कूटर आदि विभिन्न साधनों के द्वारा लम्बी यात्रा मिनटों एवं सैकड़ों में पूरी हो सकती है जिससे समय की भी बचत हुई है।

(ii) चिकित्सा के क्षेत्र में →

विज्ञान ने चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न विशेष योगदान दिया है। कैंसर, टी.वी, आदि घातक बीमारियों पर रोक लगाना विज्ञान द्वारा ही संभव है।

(iii) मनोरंजन के क्षेत्र में →

मनोरंजन के विभिन्न साधन, टेलीविजन, रेडियो, चलचित्र आदि ने मानव को निराशा के मुख से निकालकर मनोरंजन के विभिन्न साधन उपलब्ध कराये हैं।

(iv) कृषि के क्षेत्र में →

अब भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि को प्राथमिकता दी जाती

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

है। विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में विशेष योगदान किया है। रासायनिक उर्वरक, खाद बीज, यंत्र, थ्रेसर आदि ने कृषि उत्पादकता में वृद्धि की है। जिससे समय की भी बचत हुई है।

(4.) शिक्षा के क्षेत्र में :-

शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान ने विभिन्न आविष्कार किए है। शिक्षा के द्वारा लोगों में जागरूकता आ गयी है विभिन्न शिक्षा संस्थान स्थापित हो गये है।

(5.) विज्ञान से हानियाँ :-

विज्ञान ने जहाँ इतने आविष्कार किए है वही उससे कई हानियाँ भी पैदा हुई है। आज के युग में विभिन्न देश परमाणु बमों, हथियारों का आविष्कार करने लगे है जिससे देश के ऊपर खतरा मंडराने लगा है। अतः विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए।

(6.) उपसंहार :-

विज्ञान के युग में मानव ने अपनी प्रतिष्ठा समाज में विकसित कर ली है। विज्ञान के सदुपयोग करने से

मध्यप्रदेश
BSEMP

11
पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील 2009
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 12.3.09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक C.No 251024
6. परीक्षा का नाम
7. विषय 8. माध्यम
8. दि

परीक्षक के लिये

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

पृष्ठ

समाज की उन्नति होती है। और यदि शिक्षा का दुरुपयोग करने से समाज में अनेक बुराइयां पैदा हो जाती है। अतः शिक्षा का सदुपयोग करना चाहिए। जिससे समाज की उन्नति लगातार होती रहे और वह जल्दी ही विकसित हो जाये।

BSEM

B
S
E
M
P

…ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग